रिपोर्ट

सीएसआर फंड के तहत यूपी में 1762 कंपनियों ने विभिन्न काम के लिए दिया पैसा, टॉप टेन शहरों में हरदोई ,लखनऊ आगरा भी शामिल

नोएडा-गाजियाबाद पर कंपनियों ने दरियादिली दिखाई

■ अजित खरे

लखनऊ। कारपोरेट कंपनियों ने अपने सीएसआर फंड खर्च करने में गौतमबुद्धनगर, काशी, मथुरा पर दरियादिली दिखाई है। शीर्ष दस जिलों में गाजियाबाद भी शामिल है।

कुल 1762 छोटी-बड़ी कंपनियों ने यूपी में सीएसआर फंड के रूप में कुल 1152.52 करोड़ रुपये खर्च किए। यह रकम शिक्षा, बच्चों के स्वास्थ्य, भूखमरी मिटाने, ग्रामीण विकास, पर्यावरण सरंक्षण, कुपोषण हटाने, खेलों और झुग्गी-झोपड़ी में राहत कार्य चलाने में खर्च की गई।

आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एचसीएल ने कॉरपोरेट सोशल रिस्पान्सबिलिटी (सीएसआर) फंड में सबसे ज्यादा रकम खर्च की है। इसके बाद एचडीएफसी, एनपीसी, इंडियन ऑयल, नार्दन कोलफील्ड, हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स, भारती टेलीमीडिया ने इस फंड में रकम खर्च की। यूपी में 2014-15 से वर्ष 2022-23 तक सीएसआर फंड में 5,821.11 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। पर यह राशि अन्य अहम राज्यों के मुकाबले कम है। इतनी ही अवधि में गुजरात में 2 9,835.97 करोड़ रुपये कंपनियों ने खर्च किए। कर्नाटक में 11,006.90 करोड़ रुपये खर्च हुए। महाराष्ट्र में 2014-15 से वर्ष 2022-23 तक 29,534.20 करोड़ खर्च हुए। इतनी अवधि में पूरे देश में 1,84,222.87 करोड़ रुपये खर्च हुए।

लाभ का दो फीसदी अंशदान देना जरूरी

कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत कंपनियों को अपने औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत अंशदान सीएसआर फंड में देना अनिवार्य है। इस फंड से रकम विभिन्न सामाजिक कार्यों के लिए एनजीओ व अन्य सामाजिक संगठनों को दी जाती है। कोविड काल में विभिन्न कंपनियों ने मेडिकल सुविधाओं को बढ़ाने में काफी रकम खर्च की थी।

फंड का उपयोग करने वाले शीर्ष दस जिले

गौतमबुद्धनगर	226.4	गाजियाबाद	42.64
मथुरा	118.21	सोनभद्र	41.64
वाराणसी	100.23	आगरा	30.79
हरदोई	91.75	अयोध्या	19.52
लखनऊ	70.96	गोरखपुर	17.75

रकम खर्च करोड़ रुपये